Q.P. Code – 56561

M.A. (Previous) Degree Examination, DECEMBER 2017

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 510) Paper I – AADHUNIK HINDI KAVITA

आधुनिक हिंदी कविता

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 80*

4 × 16 = 64

1. (a) साकेत के आधार पर उर्मिला का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(अथवा)

(b) मनु का चरित्रांकन कीजिए।

2. (a) पंत के काव्य सौष्ठव पर एक लेख लिखिए।

(अथवा)

(b) पंत के काव्य में अभिव्यक्त प्रकृति चित्रण की चर्चा कीजिए।

3. (a) निराला के काव्य "सरोज स्मृति" की चर्चा कीजिए।

(अथवा)

(b) निराला की काव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

4. (a) प्रयोगवादी कवि अज्ञेय के काव्य की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

(अथवा)

(b) नदी के द्वीप कविता की समीक्षा कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **16**

(a) कूक उठी सहसा तरु वासिनि,
गा तू स्वागत का गाना,
किसने तुमको अंतर्यामिनि,
बतलाया उसका आना?

(b) कुसुम कानन अंचल में मन्द–पवन प्रेरित सौरभ साकार,
रचित–परमाणु–पराग–शरीर खड़ा हो, ले मधु का आधार।

(c) स्वामि–सहित सीता ने नन्दन माना सधन–गहन कानन भी,
वन उर्मिला वध ने किया उन्ही के हितार्य निज उपवन भी।

(d) सोती थी,
जाने कहो कैसे प्रिय–आगमन वह?
नायक ने चूमे कपोल,
डोल उठी वल्लरी की लडी जैसे हिंडोल।
इस पर भी जागी नही,
चूक–क्षमा माँगी नही,
निद्रालस वंकिम विशाल नेत्र भूँदे रही
किम्वा मतवाली भी यौवन की मदिरा पिये
कौन कहे?

(e) हम नदी के द्वीप है।
हम नदी कहते कि हमको छोड़कर स्त्रोतस्विनी बह जाय।
वह हम आकार देती हैं।
हमारे कोण, गलियाँ, अन्तरीप, उभार, सैकत–कूल
सब गोलाइयाँ उसकी गढ़ी हैं।
माँ है वह! है, इसी से हम बने हैं।

Q.P. Code – 56562

M.A. (Previous) Degree Examination, DECEMBER 2017

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 520) Paper II – HINDI KI GADYA VIDHAYEN

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 80*

4 × 16 = 64

1. (a) 'ज्वारभाटा' कहानी की वस्तु पर एक लेख लिखिए।

(अथवा)

(b) 'अकेली' कहानी में अभिव्यक्त नारी संवेदना की चर्चा कीजिए।

2. (a) एकांकी तत्व के आधार पर 'शरणदाता' की चर्चा कीजिए।

(अथवा)

(b) अंधेर नगरी की प्रासंगिकता पर एक लेख लिखिए।

3. (a) 'करुणा' निबन्ध का सार लिखकर उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(अथवा)

(b) उत्साह निबन्ध की चर्चा कीजिए।

4. (a) मैला आंचल उपन्यास में अभिव्यक्त ग्रामीण जीवन का अंकन कीजिए।

(अथवा)

(b) मैला आँचल के प्रमुख नारी पात्रों का परिचय दीजिए।

5. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए **16**

(a) "नहीं वह स्कूल नहीं पहुँची। नरेश दफ्तर जाते वक्त उसे स्कूल केलिए तय्यार कर गये थे। उसके बाद से उसका पता नहीं लगता।"

(b) गाँव की सभी औरतों की तरह नन्हों का भी ब्याह हुआ। उसकी भी शादी में वही हुआ जो सभी शादियों में होता है। बाजा–गाजा, हल्दी–सिंधूर, मौज उत्सव, हँसी रूलाई – सब कुछ वही।

(c) मनुष्य की प्रकृति में शील और सात्विकता का आदि संस्थापक यही मनोविकार है। मनुष्य की सज्जनता या दुर्जनता अन्य प्राणियों के साथ उसके संबन्ध या संसर्ग द्वारा ही व्यक्त होता है।

(d) रामदास उठकर लरसिंगदास के गले में हाथ लगाकर धक्का देता है। लरसिंग दास सीढ़ी पर गिर पडता है। नाक से खून निकल रहा है।

(e) कोकिल वायस एक सम, पंडित मूख एक। इंद्रामन दडिम विषम, जहाँ न नेकु विवेकु। बसिए ऐसे देश में, कनक वृष्टि जो होई।

Q.P. Code – 56563

M.A. (Previous) Degree Examination, DECEMBER 2017

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 530) Paper III – HINDI SAHITYA KA ITHIHAS AUR VYAKARAN

हिंदी साहित्य का इतिहास और व्याकरण

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 80*

4 × 16 = 64

1. (a) हिंदी साहित्येतिहास की काल–विभाजन और नामकरण संबंधि विषय पर प्रकाश डालिए।

(अथवा)

(b) आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

2. (a) रीतिकालीन साहित्य की विशेषताओं को बताते हुए रीतिकालीन प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

(अथवा)

(b) छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

3. (a) सर्वनाम की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

(अथवा)

(b) संधि की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों को सोदाहरण समझाइए।

4. (a) कारक किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(अथवा)

(b) वाक्य और उसके भेद पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **16**

(a) नाथ साहित्य

(b) तुलसीदास

(c) निराला

(d) वाक्य

(e) समास

Q.P. Code – 56564

M.A. (Previous) Degree Examination, DECEMBER 2017

(Directorate of Distance Education)

Hindi

(DPA 540) PRAYOJANMOOLAK HINDI AUR ANUVAD

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 80*

3 × 16 = 48

1. (a) प्रयोजन मूलक हिन्दी के महत्व को रेखांकित कीजिए।

(अथवा)

(b) संविधानिक हिन्दी के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

2. (a) सरकारी और अर्ध सरकारी पत्र को सोदाहरण समझाइए।

(अथवा)

(b) टिप्पण की परिभाषा देते हुए नमूनों के साथ उसके प्रमुख गुणों को रेखांकित कीजिए।

3. (a) सिद्ध कीजिए कि अनुवाद कला है? या विज्ञान?

(अथवा)

(b) अनुवाद की समस्याओं का आकलन कीजिए।

4. (a) हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (अंग्रेजी अथवा कन्नड से) **8**

The country we live in is known as Bharatvarsh, Hindustan or Hind. The most ancient name of our land is Bharatvarsh. Our country gets this name because of its ancient ruler named Bharat. It is said that he was the first to rule over this land. The names Hindustan and Hind were given by foreigners.

Many people came into our country. But, after they settled here, they became its citizens. Many of these came into India from the North-west after crossing the river "Sindhu". To them the river Sindhu was the boundary of this country. In the countries north-west of India Sindhu is known as Hind. Hence after the name of Sindhu, this country came to be called Hind first and Hindustan later. The people of this country came to be known as 'Hindis' or 'Hindus'.

ಅಥಣಿ ನಗರದ ಹೃದಯ ಭಾಗದಲ್ಲಿರುವ ಅಮೃತ ಲಿಂಗೇಶ್ವರ ದೇವಾಲಯವು ಪ್ರಾಚೀನ ವಾಸ್ತುಶಿಲ್ಪ ವೈಭವವನ್ನು ನೆನಪಿಸುವ ಸ್ಮಾರಕವಾಗಿದೆ. ಕಲ್ಯಾಣ ಚಾಲುಕ್ಯರ ಕಾಲದ ವಾಸ್ತು ಲಕ್ಷಣಗಳನ್ನು ಹೊಂದಿದ ಇದು ಶೈವ ದೇವಾಲಯವಾಗಿದೆ. ಗರ್ಭಗೃಹ ನವರಂಗ ಮುಖ ಮಂಟಪ ಇರುವ ಈ ದೇವಾಲಯ ಈಗ ಶಿಥಿಲಗೊಂಡಿದೆ. ಈ ದೇವಾಲಯದ ಉತ್ತರ ದಿಕ್ಕಿಗೆ ವೀರಭದ್ರ ದೇವಾಲಯವಿದೆಯ ಈ ದೇವಾಲಯ ತುಂಬಾ ಚಿಕ್ಕದಾಗಿದ್ದು. ಕತ್ತಲೆಯಿಂದ ಕೂಡಿದೆ.

ಅಥಣಿಯ ಪೂರ್ವ ಭಾಗದಲ್ಲಿ ಮಧ್ಯಕಾಲೀನ ಇಸ್ಲಾಮಿಕ್ ಶೈಲಿಯ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ದೇವಾಲಯವಿದೆ. ಪೂರ್ವ ಕಾಲದಲ್ಲಿ ತಪಸ್ವಿಗಳೊಬ್ಬರು ಇಲ್ಲಿ ತಪಸ್ಸು ಮಾಡಿದ್ದರೆಂದು ಜನ ಹೇಳುತ್ತಾರೆ. ಅವರು ಇಲ್ಲಿ ಆಶ್ರಮ ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡು ಅನೇಕರಿಗೆ ವಿದ್ಯೆ ನೀಡಿದರಂತೆ. ಆ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಿದ್ಧೇಶ್ವರ ಗದ್ದುಗೆ (ಕಟ್ಟೆ) ಇದೆ. ಇದು ಈ ಊರಿನ ಗ್ರಾಮ ದೇವತೆಯೆಂದು ಊರಿನ ಸಮಸ್ತ ಹಿಂದೂ ಮುಸ್ಲಿಮರಿಂದ ಪೂಜಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ. ಇಲ್ಲಿ ಹಲವು ಧರ್ಮಗಳ ಸಾಮರಸ್ಯವನ್ನು ಕಾಣಬಹುದು.

(b) हीन्दी से कन्नड अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। **8**

कबीर, सूर, तुलसी, जायसी और मीरा इस युग के महत्वपूर्ण कवि है जिन्होंने हिन्दी कविता को व्यापक मानवीय आधार प्रधान किया। विभिन्न स्थानीय बोलियों के शब्दों रुचियों और संवेदनाओं को ग्रहण कर इन कवियों ने अवधी और ब्रज को काव्य भावा के रूप में विकसित किया। इन्होंने स्वान्तः सुखाय को कविता का प्रयोजन माना जो नवजागरण का लक्षण है। इस कारण कविता में लोक जीवन के विविध छंदों, शैलियों और संवेदनों का प्रयोग हुआ जो पहले वर्जित था। सार्वदेशिक समकालीनता, का विकास और अपने समय को परिभाषित करने का जो सजग प्रयत्न जायसी, कबीर और तुलसीदास में है वह अन्यत्र दुर्लभ है। पद्मावत, रामचरितमानस, मीरा की पदावली, कबीर के साखी, सबद, एवं रमैनी, सूरसागर, रहीम के दोहे एवं बरवै, कवितावली, दोहावली, विनयपत्रिका, मधुमालती आदि इस काल की महत्वपूर्ण कृतियाँ है।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **16**

(a) टिप्पणी

(b) प्रारूपण

(c) प्रेस नोट

(d) काव्यानुवाद की समस्या

(e) सफल अनुवादक के गुण